केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 76 बुधवार 7 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

देवी प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे मूर्तिकार

–भारतीय बस्ती संवाददाता।

बस्ती। शारदीय नवरात्र 11 अक्टूबर से शुरू होगा। नवरात्र को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शहर के स्टेशन रोड, मालवीय रोड और केडीसी कॉलेज के पास विभिन्न तरह की दुर्गा प्रतिमाएं बनाई जा रही है। कोलकाता से आए मूर्तिकार प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में दिन–रात जुटे हुए हैं। मूर्तिकार प्रतिमाओं की रंगाई–पुताई और सजावट का काम तेजी से पूरा करने में लगे हैं। कहीं प्रतिमाओं पर रंग चढ़ाया जा रहा है तो कहीं आभूषण और वस्त्रों से सजाने का काम जोरो से चल रहा है। नवरात्र नजदीक होने के कारण मूर्तिकारों काम में तेजी से लगे हैं। समय से प्रतिमाएं तैयार करने के लिए कारीगर लगातार काम कर रहे हैं। मूर्तिकारों ने बताया कि दुर्गा प्रतिमा तैयार करने में कई दिन लगते हैं। मिट्टी से प्रतिमा बनाने के बाद उसे सुखाने, रंगाई करने और सजाने का काम किया जाता है। इन दिनों प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने का काम चल रहा है, ताकि नवरात्र शुरू होने से पहले सभी प्रतिमाएं तैयार हो जाएं। नवरात्र के दौरान श्रद्धालु घरों और पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर नौ दिनों तक विधि–विधान से पूजा–अर्चना करेंगे। सुबह–शाम आरती के साथ श्रद्धालु देवी मां की उपासना करेंगे।

सेवा ज्योति यात्रा के लिए तैयारियां तेज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी, बस्ती द्वारा आयोजित होने वाली 'सेवा ज्योति यात्रा' की तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने बताया कि 7 अक्टूबर को प्रातः 9बजे शास्त्री चौक पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का विशाल सामूहिक एकत्रीकरण होगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय महामंत्री एवं बस्ती जिला प्रभारी डॉ. सत्येंद्र सिन्हा उपस्थित रहेंगे।

जिला मीडिया प्रभारी अजय पाल सिंह ने बताया कि प्रातः 10 प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के उद्बोधन के पश्चात प्रधानमंत्री जी द्वारा 'सेवा ज्योति' प्रज्वलित की जाएगी। इसके बाद मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं स्थानीय जन–प्रतिनिधियों द्वारा स्थानीय स्तर पर सेवा ज्योति प्रज्वलित की जाएगी।सेवा ज्योति प्रज्वलित होने के उपरांत शास्त्री चौक से जिले के विभिन्न निर्धारित मार्गों एवं क्षेत्रों में पद यात्राएं निकाली जाएंगी।

खेतों में घुसा मनोरमा नदी का पानी, फसलें डूबीं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज विकास खण्ड में मनोरमा नदी का पानी किसानों के खेतों तक पहुंच गया है। महुरैईया गांव के पास धान, तिल और सब्जी की फसलें पानी में डूब गई हैं। पोखरा ग्राम पंचायत और आसपास के इलाकों में करीब 100 बीघा फसल बर्बाद हो गई है।

किसान रामजीत निषाद की एक बीघा धान और चार बीघा तिल की फसल डूबने से 50 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। फसल तैयार करने में करीब 25 हजार रुपये लगे थे। लवकुश की एक एकड़ सब्जी की खेती भी पानी में बर्बाद हो गई, जिससे उन्हें 50 हजार रुपये का नुकसान हुआ। छटकी निषाद की दो बीघा धान और सब्जी की फसलें भी पानी में डूब गईं, जिससे करीब 50 हजार रुपये का नुकसान हुआ। बहराइची की दो बीघा तिल की फसल डूबने से 20 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। किसानों का कहना है कि उनकी महीनों की मेहनत और पूंजी डूब गई है। उन्होंने प्रशासन से मौके पर टीम भेजकर फसलों का सर्वे कराने और नियमानुसार राहत देने की मांग की है।

निर्वाचन आयोग जन प्रतिनिधियों से नहीं मिलेगा तो फिर लोकतंत्र का क्या मतलब– राहुल गांधी

नई दिल्ली (आभा) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर श्वोट चोरीश के जरिये देश को श्हाईजैकश करने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्षी सांसदों से निर्वाचन आयुक्तों को मिलना पड़ेगा तथा इसके लिए वह अपना धरना जारी रखेंगे।

चुनाव प्रणाली से जुड़ी कथित अनियमितता के खिलाफ आकाशवाणी भवन परिसर में धरने पर बैठे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, शाह, भागवत और ज्ञानेश कुमार ने 'देशद्रोह' किया है तथा इनमें से कोई नहीं बचेगा

और सबको कानूनी कार्रवाई का सामना करना होगा। निर्वाचन आयोग मामले पर 'इंडिया' गठबंधन के सांसदों ने मंगलवार को संसद भवन परिसर से निर्वाचन आयोग की ओर मार्च निकाला। हालांकि पुलिस ने उन्हें संसद मार्ग पर रोक लिया और कई सांसदों को हिरासत में ले लिया।

राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल और पार्टी के कई अन्य नेता निर्वाचन सदन जाने से रोके जाने के बाद आकाशवाणी भवन परिसर में दाखिल हो गए और विरोध स्वरूप वहीं एक पेड़ के नीचे बैठ गए।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने संवाददाताओं से कहा कि करीब 300 सांसद मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों निर्वाचन आयुक्तों से मिलने के लिए पहुंचे थे, लेकिन उन्हें मिलने का अवसर नहीं दिया गया।

जनगणना दूसरे चरण के लिये प्रशिक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारत की जनगणना–2027 के द्वितीय चरण को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए मंगलवार को विकास भवन सभागार में प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। तीन बैचों में आयोजित होने वाले इस प्रशिक्षण में जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कार्मिकों को मास्टर ट्रेनर गोपाल मिश्र, दीपक गुप्ता, हेमन्त चौधरी एवं अखिल कुमार गुप्ता द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को जिलाधिकारी/प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना द्वारा प्रतीकात्मक रूप से जनगणना किट भी प्रदान की गई।

जिलाधिकारी/प्रमुख जनगणना अधिकारी ने कहा कि जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके लिए दिया जा रहा प्रशिक्षण भी महत्वपूर्ण है। सभी अधिकारी एवं कार्मिक प्रशिक्षण को पूरी गंभीरता और ध्यान से प्राप्त करें। प्रशिक्षण के दौरान जो भी प्रश्न या जिज्ञासा सामने आए, उसका नोट्स बनाएं और मास्टर ट्रेनरों से उसका समाधान प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का फील्ड में सही ढंग से प्रयोग करते हुए जनगणना कार्य को पूरी निष्ठा के साथ सकुशल संपन्न कराया जाए।

मुख्य विकास अधिकारी/अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी सार्थक अग्रवाल, अपर जिलाधिकारी/जनगणना अधिकारी ज्ञान चन्द्र गुप्ता ने बताया कि जनगणना निदेशालय से मास्टर ट्रेनरों की तैनाती की गई है, जो जनगणना से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दे रहे हैं।

1 नवंबर से अस्पताल फार्मेसियों में सार्वजनिक होगी दवाओं की खरीद–बिक्री की कीमत

लखनऊ (आभा)। मरीजों को दवाओं की कीमतों को लेकर अधिक पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराने की दिशा में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विभाग ने सभी रिटेल फार्मेसियों को अपनी पब्लिक वेबसाइट तैयार करने और उस पर फार्मेसी से जुड़ी जरूरी सूचनाएं सार्वजनिक करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, अस्पताल परिसरों में संचालित फार्मेसियों को मरीजों के हित में दवाओं की खरीद दर और बिक्री दर के आधार पर मूल्य सूची प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस व्यवस्था का क्रियान्वयन 1 नवंबर से अपेक्षित है।

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन रोशन जैकब की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि पूर्व में जारी कार्यालय आदेश के तहत सभी रिटेल फार्मेसियों को अपनी एक सार्वजनिक वेबसाइट बनाते हुए उस पर लाइसेंस संख्या, नियुक्त फार्मासिस्ट, लाइसेंसी परिसर तथा स्टॉक संबंधी विवरण प्रदर्शित करना होगा। वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी को साप्ताहिक रूप से अपडेट भी करना होगा।

पंजाब सीएम के कार्यालय पर सीबीआई का छापा

चंडीगढ़ (आभा)। चंडीगढ़ में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई की है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी राजबीर घुमन से जुड़े एक मामले में एजेंसी ने छापेमारी की। यह छापेमारी चंडीगढ़ के सेक्टर–2 इलाके में मकान नंबर 50 पर हुई। बताया जा रहा है कि यही जगह मुख्यमंत्री का कैंप ऑफिस भी है। बताया जा रहा है कि सीबीआई की टीम मकान पर पहुंची और तलाशी शुरू की। फिलहाल यह साफ नहीं हुआ है कि छापेमारी के दौरान क्या दस्तावेज या अन्य सामान बरामद हुए। एजेंसी की तरफ से अभी इस कार्रवाई की आधिकारिक जानकारी भी सामने नहीं आई है।

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित वायुसेना प्रमुख नियुक्त

नई दिल्ली (आभा)। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को भारतीय वायुसेना का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। वह 31 अक्टूबर 2026 की दोपहर एयर चीफ मार्शल के पद पर कार्यभार संभालेंगे और 31 दिसंबर 2028 तक इस पद पर रहेंगे। वह मौजूदा वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का स्थान लेंगे, जो 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होंगे। एयर मार्शल दीक्षित फिलहाल वायुसेना के उप प्रमुख हैं। उन्होंने 1 जुलाई 2026 को यह जिम्मेदारी संभाली थी। करीब चार दशक के करियर में उन्होंने परिचालन, प्रशिक्षण, परीक्षण और रणनीतिक स्तर पर कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है।

एयर मार्शल दीक्षित को स्वदेशी विमानन परियोजनाओं में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। उप प्रमुख और अन्य वरिष्ठ पदों पर रहते हुए वह तेजस एमके–1ए, तेजस एमके–2 और उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान यानी एएमसीए जैसे कार्यक्रमों से जुड़े रहे। बंगलूरू स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड में भी उन्होंने तेजस एमके–1ए और अन्य स्वदेशी विमानन परियोजनाओं की समीक्षा से जुड़े कार्य किए।

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री रोली सिंह का भव्य स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी की नवनियुक्त महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री रोली सिंह के प्रथम बस्ती आगमन पर पूरे जिले में कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और समर्थकों द्वारा अभूतपूर्व एवं भव्य स्वागत किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने फुटहिया पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने पूरी गर्मजोशी के साथ प्रदेश मंत्री का अभिनन्दन किया।

रोली सिंह के बस्ती सीमा 'घघौवा' पहुँचते ही ढोल–नगाड़ों, माल्यार्पण, गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश एवं आतिशबाजी के साथ कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके पश्चात उनका काफिला पराग ढाबा, विक्रमजोत, छावनी, हर्रैया, महाराजगंज, कप्तानगंज, तिलकपुर शिव मंदिर, गोटवा, रिठिया फुटहिया, मूड घाट, बड़ेवन, साईं मंदिर कटरा ,कंपनी बाग, गांधीनगर, रोडवेज तथा दक्षिण दरवाजा होते हुए आगे बढ़ा।

पूरे मार्ग पर जगह–जगह पुष्पवर्षा और आतिशबाजी कर कार्यकर्ताओं ने का अभिवादन किया। तत्पश्चात काफिला होटल बालाजी प्रकाश के सभागार पहुँचा, जहाँ एक भव्य 'आभार एवं अभिनंदन कार्यक्रम' का आयोजन किया गया, कार्यकर्ताओं ने फूल–मालाओं तथा आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत कर के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया।

विश्व हिन्दू परिषद के जिला अध्यक्ष गोपेश पाल ,विशेष संपर्क प्रमुख धर्मेंद्र चौरसिया ,विनय सिंह , रोलू सिंह ,रितेश पाल ,विवेक सिंह ,प्रमोद सिंह ,पुनीत ओझा ,राहुल पाल ,जिला मंत्री विनय सिंह रावत ,धर्मेंद्र ,राहुल सिंह अरविंद पाल, पिंटू तिवारी, अखंड प्रताप सिंह, अमर सिंह ,सरोज मिश्रा,रवि प्रताप सिंह, अनूप, ओमकार सिंह, राजेश पांडेय,शिवम पांडेय,के के सिंह,राजेश मौर्या, किरन वर्मा,आशा देवी,मनोज पाठक,विजय सिंह, राजकुमार शुक्ल,गौरव अग्रवाल, सहित कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं के साथ स्वागत किया ।

बसपा कार्यकर्ता सम्मेलन में मोहम्मद खालिक उर्फ बिलन्दर रुधौली विधानसभा प्रभारी प्रत्याशी घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी की ओर से रुधौली विधानसभा क्षेत्र का विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन मानिकचंद चौराहा स्थित अपना मैरिज लॉन में आयोजित किया गया। सम्मेलन का आयोजन पूर्व जिला पंचायत सदस्य मोहम्मद खालिक उर्फ बिलन्दर के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम के दौरान मोहम्मद खालिक उर्फ बिलन्दर को रुधौली विधानसभा का प्रभारी प्रत्याशी घोषित किया गया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि मुख्य मण्डल प्रभारी डॉ. मदनराम ने कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत करने और एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को किसी के बहकावे में आने के बजाय संगठन के साथ मजबूती से खड़ा रहना चाहिए।

उन्होंने मोहम्मद खालिक उर्फ बिलन्दर को रुधौली विधानसभा का प्रभारी प्रत्याशी घोषित किए जाने की भी जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पिछड़ा वर्ग भाईचारा मुख्य मंडल संयोजक भीम राजभर ने की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। कहा कि बसपा सरकार में 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के नारे के साथ कार्य किए गए। उन्होंने ओबीसी समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में बहुजन समाज पार्टी से जुड़ने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथियों में मुख्य मंडल प्रभारी इन्दल राम, धर्मदेव प्रियदर्शी, रामसूरत चौधरी, पूर्व एमएलसी लालचंद निषाद, मंडल जोन प्रभारी के.के. गौतम और कल्पनाथ बाबू शामिल रहे। संचालन के.के. गौतम ने किया।

–सर्वसमाज के लोगों को पार्टी से जोड़ने का आवाहन

वक्ताओं ने बसपा शासनकाल में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और सर्वसमाज के लोगों को पार्टी से जोड़ने की अपील की। बसपा जिलाध्यक्ष जय हिन्द गौतम ने कहा कि पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने और आगामी चुनाव को लेकर बूथ स्तर पर तैयारियां तेज करने की बात कही। सम्मेलन में शिव गणेश, राजेंद्र प्रसाद, जब्बार अली, सुभाष गौतम, रामचेत निराला, केपी राठौर, आशुतोष सिंह, अजय कुमार पाण्डेय, केसी मौर्य, अलीम अहमद, अनूप कुमार एडवोकेट, दीपक कुमार, राना अंबेडकर, महेंद्र कुमार गौतम समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में सपा का प्रदर्शन: मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंका

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की दिल्ली में गिरफ्तारी के विरोध में किया गया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जिला मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व सदर विधायक और सपा जिलाध्यक्ष महेंद्र नाथ यादव ने किया। कार्यकर्ताओं ने पहले जिला कलेक्ट्रेट परिसर में धरना दिया। इस दौरान सरकार के खिलाफ नारे लगाए गए। सपा नेताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की मांग की।

धरने के बाद सपा कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में शास्त्री चौक पहुंचे। यहां नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका। कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव की गिरफ्तारी को लेकर विरोध जताया।

सपा जिलाध्यक्ष महेंद्र नाथ यादव ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी कार्यकर्ताओं की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सपा कार्यकर्ता लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

प्रदर्शन और पुतला दहन के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। बड़ी संख्या में सपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। विरोध प्रदर्शन में पूर्व जिलाध्यक्ष राजाराम यादव, वृजेश मिश्र, मो. स्वालेह, गीता भारती, प्रशान्त यादव के साथ ही बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

जयन्ती पर याद किये गये महात्मा टिकैतः किसानों के हक–अधिकार के लिए संघर्ष का लिया संकल्प

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को साऊंघाट विकास खण्ड के ग्रामसभा बनकसही में किसान नेता महात्मा टिकैत की 91वीं जयंती श्रद्धापूर्वक संकल्पों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक अध्यक्ष राकेश कुमार चौधरी और राम सजीवन चौधरी, के संयोजन में किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और बाबा टिकैत के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्वांचल अध्यक्ष अनूप कुमार चौधरी ने कहा कि महात्मा टिकैत आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार आज भी हम सभी के साथ हैं। उन्होंने किसानों से बाबा टिकैत के विचारों पर चलने तथा किसानों के हक और अधिकार के लिए लगातार संघर्ष करते रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष विनोद चौधरी ने कहा कि किसानों को अपने हक और

अधिकार के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। उन्होंने बताया कि बाबा टिकैत की जयंती के अवसर पर इस कार्यक्रम के अलावा बस्ती जिले की चारों तहसील क्षेत्रों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

वक्ताओं ने कहा कि चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत वास्तव में किसानों के बहुत बड़े नेता थे। उनके जीवन का उद्देश्य किसानों को इतना जागरूक करना था कि किसान की आवाज भी हुक्मरानों तक पहुंच सके। किसानों को वाजिब हक दिलाने के लिए तमाम बड़े राजनेताओं से समय–समय पर टकराव मोल लिया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष जय राम चौधरी, पूर्वांचल उपाध्यक्ष शोभाराम ठाकुर, मण्डल महासचिव ब्रह्मादीन चौधरी, राजेंद्र चौधरी, ब्रह्मदेव चौधरी, त्रिवेणी, वंश गोपाल, राम किशोर, दिलीप, महावीर चौधरी और आज्ञाराम सहित सैकड़ों की संख्या में किसान भाई उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने उपस्थित पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं किसान भाइयों का आभार व्यक्त किया। सभी ने बाबा टिकैत के विचारों और किसान हितों की लड़ाई को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

मुकदमा दर्ज न होने से नाराज मोहम्मद अजीम ने सौंपा ज्ञापन, दिया आन्दोलन की चेतावनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत मुक्ति मोर्चा के मण्डल उपाध्यक्ष मोहम्मद अजीम ने गौर थाने की पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग किया। ज्ञापन में मोहम्मद अजीम ने आरोप लगाया कि गांव के ही विपक्षी पक्ष द्वारा उनके और उनके परिवार के साथ जातिगत भेदभाव, गाली–गलौज तथा मारपीट की घटनाएं की जाती हैं। उन्होंने बताया कि 11 सितम्बर 2026 को उनके भाई के मोबाइल फोन पर गाली–गलौज एवं धमकी दी गई थी। इस संबंध में थाना गौर में लिखित शिकायत भी दी गई, जिस पर पुलिस स्तर से कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था। अजीम का आरोप है कि बाद में जानकारी मिली कि थाना प्रभारी द्वारा आरोपियों के पक्ष में

रहते हुए मुकदमा दर्ज नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक को भी लिखित शिकायत दिए जाने की बात कही है। उनका कहना है कि आरोपियों द्वारा किए गए फोन तथा अन्य साक्ष्य उनके पास उपलब्ध हैं। कार्रवाई नहीं होने से आरोपी पक्ष के हौसले बढ़ रहे हैं और उनका परिवार भय के माहौल में है। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई एवं मुकदमा दर्ज कराने तथा थाना स्तर पर बरती गई लापरवाही की भी जांच कराने की मांग की है। मोहम्मद अजीम ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने बताया कि 9 अक्टूबर को जिला प्रशासन के समक्ष धरना–प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपने की तैयारी है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 7 अक्टूबर 2026, बुधवार

सम्पादकीय

जलवायु परिवर्तन के खतरे

प्रकृति ने मानव जीवन को सुरक्षित और संतुलित रखने के लिए पृथ्वी पर अनमोल संसाधन दिए हैं, लेकिन आधुनिक विकास की तेज दौड़ में इंसान ने पर्यावरण के साथ ऐसा व्यवहार किया है, जिसके गंभीर परिणाम अब पूरी दुनिया के सामने दिखाई देने लगे हैं। जलवायु परिवर्तन आज केवल वैज्ञानिकों की चिंता का विषय नहीं है, बल्कि यह मानव सभ्यता के भविष्य से जुड़ा सबसे बड़ा प्रश्न बन चुका है।

बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा, भयंकर बाढ़, लंबे समय तक चलने वाली गर्मी की लहरें और तेजी से पिघलते ग्लेशियर इस बात का संकेत हैं कि प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है। कभी जिन मौसमों का अनुमान आसानी से लगाया जा सकता था, आज उनमें लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। इसका सीधा प्रभाव खेती, जल संसाधनों, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण मानव गतिविधियां हैं। उद्योगों से निकलने वाला प्रदूषण, जंगलों की कटाई, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग और अनियंत्रित शहरीकरण ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ा दी है। विकास आवश्यक है, लेकिन ऐसा विकास जो प्रकृति को नुकसान पहुंचाए, लंबे समय में मानव समाज के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। सरकारों को स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा, पेड़ों की कटाई रोकनी होगी और प्रदूषण कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाने होंगे। केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं होंगेय प्रत्येक नागरिक को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। बिजली और पानी की बचत, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, पेड़ लगाना और प्लास्टिक का कम इस्तेमाल जैसे छोटे कदम भी बड़े बदलाव ला सकते हैं।

युवाओं की भूमिका इस समस्या के समाधान में सबसे महत्वपूर्ण है। आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और स्वस्थ पृथ्वी देना हमारी जिम्मेदारी है। यदि आज हमने पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता नहीं दी, तो भविष्य में इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

यह समय केवल चिंता व्यक्त करने का नहीं, बल्कि ठोस कदम उठाने का है। पृथ्वी हमारी जरूरतों को पूरा कर सकती है, लेकिन हमारी लालच को नहीं। इसलिए हमें यह समझना होगा कि प्रकृति की रक्षा करना वास्तव में अपने अस्तित्व की रक्षा करना है।

जलवायु परिवर्तन मानवता के सामने एक गंभीर चुनौती है, लेकिन सामूहिक प्रयासों और सही सोच के साथ इसका समाधान संभव है। अब फैसला हमें करना है कि हम आने वाली पीढ़ियों को कैसी दुनिया सौंपना चाहते हैं कृ एक सुरक्षित और हरी–भरी पृथ्वी या फिर संकटों से घिरी हुई दुनिया। इसके लिए दुनिया के सभी देशों को आपसी सहयोग के साथ आगे आना होगा। पर्यावरण की समस्या किसी एक देश या समाज की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरी मानव जाति की साझा चुनौती है। यदि सभी राष्ट्र अपनी जिम्मेदारी समझते हुए प्रदूषण कम करने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में कार्य करें, तो आने वाले समय में स्थिति को बेहतर बनाया जा सकता है।

डिजिटल क्रान्ति

आज का युग डिजिटल क्रांति का युग है। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने पूरी दुनिया को एक छोटे से गांव में बदल दिया है। कुछ वर्षों पहले जहां लोगों को एक–दूसरे से संपर्क करने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, वहीं आज कुछ सेकंड में दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से बातचीत की जा सकती है। सोशल मीडिया ने संचार के क्षेत्र में एक नई क्रांति ला दी है।

फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर), यूट्यूब और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म आज लोगों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इन माध्यमों ने लोगों को अपनी बात रखने, नई जानकारी प्राप्त करने और अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया है। छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देने, शिक्षा को आसान बनाने और सामाजिक जागरूकता फैलाने में भी सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

लेकिन हर तकनीक की तरह सोशल मीडिया के भी कुछ नकारात्मक प्रभाव हैं। इसका अत्यधिक उपयोग लोगों को वास्तविक जीवन से दूर कर रहा है। कई युवा घंटों तक मोबाइल और सोशल मीडिया में व्यस्त रहते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई, स्वास्थ्य और मानसिक शांति प्रभावित हो रही है। इसके अलावा फर्जी खबरें, साइबर अपराध और गलत सूचनाओं का प्रसार भी एक गंभीर समस्या बन गया है।

सोशल मीडिया पर दिखने वाली हर जानकारी सही नहीं होती। कई बार बिना जांचे–परखे खबरों को साझा कर दिया जाता है, जिससे समाज में भ्रम और तनाव पैदा हो सकता है। इसलिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय सावधानी और जिम्मेदारी रखना आवश्यक है।

आज जरूरत इस बात की है कि सोशल मीडिया को दोष देने के बजाय उसके सही उपयोग पर ध्यान दिया जाए। युवाओं को यह समझना होगा कि तकनीक उनके विकास का साधन बने, न कि उनके समय और ऊर्जा की बर्बादी का कारण। अभिभावकों और शिक्षकों को भी बच्चों को डिजिटल दुनिया के सही और सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूक करना चाहिए।

सरकार और समाज को मिलकर साइबर सुरक्षा और डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देना होगा। लोगों में यह जागरूकता फैलानी होगी कि ऑनलाइन व्यवहार भी उतना ही जिम्मेदार होना चाहिए जितना वास्तविक जीवन का व्यवहार होता है।

अंततः कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है, जिसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि हम उसका उपयोग किस प्रकार करते हैं। यदि इसका प्रयोग ज्ञान, रचनात्मकता और समाज के हित में किया जाए तो यह विकास का महत्वपूर्ण साधन बन सकता है। लेकिन यदि इसका गलत उपयोग किया गया तो यही साधन कई समस्याओं का कारण भी बन सकता है।

इसलिए आवश्यकता है संतुलन बनाए रखने की। तकनीक को अपनाएं, लेकिन उसके गुलाम न बनें। यही डिजिटल युग की सबसे बड़ी समझदारी है। इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि हम सोशल मीडिया का उपयोग सकारात्मक सोच के साथ करें। हमें अपनी जिम्मेदारी समझते हुए ऐसी किसी भी जानकारी को साझा करने से बचना चाहिए जो समाज में भ्रम या नुकसान पैदा कर सकती है।

सही जानकारी का प्रसार और सकारात्मक विचारों को बढ़ावा देना ही डिजिटल माध्यमों का सही उपयोग है।

विपक्ष के हमलों के सामने घिरती भाजपा

अजय कुमार

भारतीय राजनीति के फलक पर विपक्ष इस समय पूरी तरह से आक्रामक और सरकार बचाव की मुद्रा में नजर आ रही है। राफेल डील से लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग और स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन(एसआईआर) जैसे मुद्दों पर कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने संसद से लेकर सड़क तक संग्राम छेड़ रखा है। इस आक्रामक घेरेबंदी के बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और भारतीय जनता पार्टी का वह पारंपरिक काउंटर अटैक दिखाई नहीं दे रहा है, जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी जानी जाती है। जबकि विपक्ष लगातार मुद्दे बदल कर हमलावर है। विपक्ष का एजेंडा और रणनीति लगातार बदल रही है। कुछ समय पहले तक जो विपक्ष सिर्फ संसद के भीतर विरोध दर्ज कराता था, वह अब अदालतों, स्वतंत्र मंचों और अंतरराष्ट्रीय कड़ियों को जोड़कर सरकार को घेर रहा है। हाल ही में मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर विपक्ष ने जिस तरह से मोर्चा खोला है, उसने सरकार को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेलने का काम किया है। 06 अक्टूबर को भी इंडी गठबंधन ने सीईसी के खिलाफ सड़क पर खूब संग्राम किया, जवाब में भाजपा के बड़े नेता जैसे कि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान या पार्टी प्रवक्ता सिर्फ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विपक्ष के इस अभियान को भ्रामक और अराजकता फैलाने वाला करार देने तक ही सीमित नजर आयें। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका सांगठनिक ढांचा और जमीनी कार्यकर्ता माने जाते रहे हैं। लेकिन मौजूदा दौर के इस राजनीतिक हो–हल्ले में भाजपा के पार्षद, विधायक और सांसद जैसे जनप्रतिनिधि अपने नेतृत्व के पक्ष में मुखरता से खड़े नहीं दिखाई दे रहे हैं। संसद और मीडिया में गिने–चुने प्रवक्ताओं को छोड़ दें, तो जमीन पर सांसदों और विधायकों का कोई बड़ा समूह विपक्ष के इन तथाकथित फेक नैरेटिव को ध्वस्त करने के लिए जनता के बीच जाता नहीं दिख रहा है। चाहे वह परीक्षाओं की प्रणाली को लेकर विपक्ष का घेराव हो या फिर चुनाव सुधारों पर फैलाया जा रहा भ्रम, भाजपा के स्थानीय नेता अपनी ही सरकार की नीतियों और उपलब्धियों का बचाव करने में हिचकिचाते नजर आ रहे हैं। इस खामोशी ने जनता के एक बड़े वर्ग में यह संदेश दिया है कि विपक्ष के आरोपों का ठोस जवाब देने में पार्टी का जमीनी कैडर असमर्थ महसूस कर रहा है,जबकि विपक्ष अब केवल राजनीतिक रैलियों तक सीमित नहीं हैय उसने अदालतों को अपना मुख्य रणनीतिक केंद्र बना लिया है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता से लेकर सरकार की प्रशासनिक नीतियों तक, हर संवेदनशील मुद्दे को कोर्ट में चुनौती दी जा रही है। ऐसे समय में भाजपा के कानूनी सलाहकारों और कानूनविदों की टीम मीडिया या सार्वजनिक फोरम पर उस तार्किकता और आक्रामकता के साथ खड़ी नहीं दिखती, जिसकी जरूरत है। अदालती फैसलों या चल रही बहसों का सरलीकृत रूप जनता के सामने रखने में भाजपा का कानूनी विंग पूरी तरह निष्क्रिय नजर आ रहा है। जब विपक्ष के वकील अदालतों के बाहर मीडिया कैमरों के सामने एकतरफा नैरेटिव सेट कर रहे होते हैं, तब भाजपा की तरफ से उस कानूनी बारीकी को जनता की भाषा में समझाने वाला कोई बड़ा चेहरा नजर नहीं आता।

भाजपा का मीडिया और आईटी सेल कभी विरोधी दलों के लिए सबसे बड़ी चुनौती हुआ करता था। हाल ही में संगठन के भीतर कई बदलाव किए गए हैं, जिसमें अमित मालवीय के लंबे कार्यकाल के बाद दीपक म्हास्के को सोशल मीडिया की जिम्मेदारी सौंपी गई और संगठन में राम माधव व स्मृति ईरानी जैसे वरिष्ठ नेताओं की वापसी हुई। इसके बावजूद, बदली हुई सोशल मीडिया टीम विपक्ष की नई और सुव्यवस्थित

डिजिटल सेना के सामने हल्की और अप्रभावी साबित हो रही है। भाजपा का सोशल मीडिया कंटेंट अब विकासात्मक मील के पत्थरों और आर्थिक आंकड़ों की उबाऊ प्रस्तुति तक सिमट कर रह गया है, जबकि विपक्ष सीधे युवाओं के गुस्से, बेरोजगारी और प्रशासनिक कमियों को भावनात्मक रूप से भुनाने में जुटा है। भाजपा का मीडिया सेल केवल रोजमर्रा की तू–तू मैं–मैं में उलझा हुआ है, जिससे वह धार गायब हो चुकी है जो कभी विरोधियों के नैरेटिव को चंद घंटों में जमींदोज कर देती थी। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी हमेशा अप्रत्याशित और विनाशकारी काउंटर–अटैक के लिए जानी जाती रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी ने सुशासन के जरिए विपक्ष के झूठे नैरेटिव को बेअसर किया है, लेकिन संगठन के स्तर पर यह असर फीका पड़ रहा है।

उधर, मोदी सरकार के खिलाफ नैरेटिव गढ़ने में विदेशी शक्तियों और बाहरी तत्वों के शामिल होने के आरोपों पर भी भारतीय राजनीति में तीखी बहस जारी है। सत्ता पक्ष और सुरक्षा एजेंसियों का दावा है कि भारत की संप्रभुता, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और सरकार की छवि को वैश्विक स्तर पर प्रभावित करने के लिए सुनियोजित प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि, विपक्ष इन दावों को घरेलू विफलताओं से ध्यान भटकाने का एक जरिया बताता है। विदेशी जमीन से संचालित डिजिटल इकोसिस्टम पर सत्तारूढ़ दल भाजपा ने आधिकारिक तौर पर आरोप लगाया है कि देश के भीतर सरकार विरोधी एजेंडा और वोट चोरी जैसे नैरेटिव को हवा देने वाले कई सोशल मीडिया हैंडल भारत से नहीं, बल्कि विदेशी धरती से संचालित हो रहे हैं। भाजपा प्रवक्ताओं द्वारा सार्वजनिक किए गए विवरणों के अनुसार, कांग्रेस और उसके सहयोगी तंत्र से जुड़े कुछ प्रमुख सोशल मीडिया हैंडल और इन्फ्लुएंसर्स के नेटवर्क संयुक्त राज्य अमेरिका, आयरलैंड और थाईलैंड जैसी विदेशी लोकेशंस से जुड़े पाए गए हैं। पार्टी का दावा है कि यह भारत में असंतोष भड़काने के लिए एक व्यवस्थित विदेशी नेटवर्क का हिस्सा है।भारत में बड़े आंदोलनों (जैसे छात्र प्रदर्शन या किसान आंदोलन) के दौरान विदेशी टूलकिट की सक्रियता के प्रमाण मिले हैं। सुरक्षा बलों और साइबर सेल की जांच रिपोर्टों के अनुसार, हालिया विरोध प्रदर्शनों के दौरान पाकिस्तान स्थित हैंडलों से संचालित होने वाले फेक न्यूज टूलकिट्स सक्रिय पाए गए हैं, जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा जनित और हेरफेर किए गए वीडियो का उपयोग कर युवाओं को सरकार और रक्षा बलों के खिलाफ भड़काने का प्रयास किया गया। इससे पहले, ग्रेटा थनबर्ग टूलकिट मामले में भी खालिस्तानी संगठनों और विदेशी कड़ियों (जैसे कनाडा स्थित पोएटिक जस्टिस फाउंडेशन) के शामिल होने के आरोप लगे थे। भाजपा के आईटी सेल ने इसे रेखांकित करते हुए आरोप लगाया कि विदेशी ताकतें भारत में एक कमजोर गठबंधन सरकार स्थापित करने के लिए वित्तीय और रणनीतिक प्रयास कर रही थीं।

सम्मान और समान अधिकार के यक्ष प्रश्न

–संजीव ठाकुर–

समय बदला, तकनीक बदली, जीवन–शैली बदली, बाजार बदला और फैशन भी बदल गया। महिलाओं को उपभोक्तावादी संस्कृति ने विज्ञापनों और प्रदर्शन की वस्तु के रूप में प्रस्तुत करने के नए–नए तरीके खोज लिए। किंतु दुखद प्रश्न यह है कि क्या समाज की मूलभूत सोच बदली? क्या बालिका शिक्षा शत–प्रतिशत हो गई? क्या दहेज प्रथा समाप्त हो गई? क्या स्त्री उत्पीड़न इतिहास बन गया?

दुर्भाग्य से इन प्रश्नों का उत्तर आज भी नकारात्मक है। अनेक समस्याएँ आज भी यथावत बनी हुई हैं, बल्कि कई मामलों में उन्होंने और अधिक विकराल रूप धारण कर लिया है। विशेष रूप से ग्रामीण भारत में महिलाओं की स्थिति अभी भी अपेक्षित सम्मान और अवसरों से काफी दूर दिखाई देती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता जैसे क्षेत्रों में सुधार तो हुआ है, किंतु वह इतना व्यापक नहीं है कि समाज को संतोष हो सके।

हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि शिक्षा का प्रसार होगा तो समाज की कुरीतियाँ स्वतः समाप्त हो जाएँगी। स्त्रियाँ पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ेंगी और बेटी को बोझ नहीं, अवसर माना जाएगा। कुछ क्षेत्रों में प्रगति अवश्य हुई है, किंतु धरातल पर तस्वीर अभी भी अधूरी है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार देश में 10 वर्ष या उससे अधिक शिक्षा प्राप्त महिलाओं का प्रतिशत बढ़कर लगभग 46.4 प्रतिशत तक पहुँचा है, जो पहले 41 प्रतिशत था। यह सुधार उत्साहजनक है, किंतु इसका अर्थ यह भी है कि आधी से अधिक महिलाएँ अभी भी दस वर्ष की बुनियादी शिक्षा से वंचित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालय छोड़ने वाली बालिकाओं की संख्या आज भी चिंता का विषय बनी हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में असमानता का एक कारण बाल विवाह, गरीबी, सामाजिक रूढ़ियाँ तथा सुरक्षा संबंधी चिंताएँ भी हैं। अनेक परिवार आज भी पुत्र की शिक्षा को निवेश और पुत्री की शिक्षा को व्यय मानते हैं। यही सोच आगे चलकर दहेज जैसी कुप्रथा को जन्म देती और इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि शिक्षा और आधुनिकता के दावों के बीच दहेज का दानव आज भी जीवित है। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत 15,489 मामले दर्ज किए गए तथा दहेज से संबंधित घटनाओं में 6,156 महिलाओं की मृत्यु हुई। अर्थात प्रतिदिन लगभग 17 महिलाओं ने दहेज की कीमत अपने जीवन से चुकाई। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की व्यापक तस्वीर भी चिंता उत्पन्न करती है। वर्ष 2023 में देशभर में महिलाओं के विरुद्ध लगभग 4.48 लाख अपराध दर्ज किए गए। इनमें सबसे बड़ी संख्या पति अथवा रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के मामलों की रही, जो कुल अपराधों का लगभग 30 प्रतिशत है।

यह स्थिति केवल आँकड़ों की कहानी नहीं हैय यह उन लाखों बेटियों, बहनों और माताओं की पीड़ा का दस्तावेज है जो आज भी भेदभाव, हिंसा और असमानता का सामना कर रही हैं।

समाज सुधारिका सावित्रीबाई फुले ने कहा था यदि तुम शिक्षित हो जाओगे तो तुम्हें अपने अधिकारों का ज्ञान होगा।

वहीं डॉ. भीमराव आंबेडकर का प्रसिद्ध कथन है कि

किसी समाज की प्रगति का आकलन उसकी महिलाओं की प्रगति से किया जाना चाहिए। महात्मा गांधी ने भी कहा था यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो केवल एक व्यक्ति शिक्षित होता है, किंतु यदि आप एक स्त्री को शिक्षित करते हैं तो पूरा परिवार शिक्षित होता है। इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद का मानना था कि जिस राष्ट्र ने अपनी स्त्रियों का सम्मान करना नहीं सीखा, वह कभी महान नहीं बन सकता। क्योंकि केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ा देना पर्याप्त नहीं हैय आवश्यक यह है कि बालिका शिक्षा को सामाजिक सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और समान अवसरों से जोड़ा जाए। जब तक बेटी को परिवार की उत्तराधिकारी नहीं माना जाएगा, जब तक विवाह को आर्थिक लेन–देन का माध्यम समझा जाएगा, तब तक दहेज की मानसिकता समाप्त नहीं होगी।

विडंबना यह है कि एक ओर हम महिला सशक्तिकरण के नारे लगाते हैं, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान चलाते हैं, महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व करते हैं, दूसरी ओर कन्या के जन्म पर चिंता और विवाह के समय दहेज की चर्चा अभी भी अनेक घरों में सामान्य बात मानी जाती है। यह दोहरा सामाजिक चरित्र हमारी सबसे बड़ी चुनौती है।

आज आवश्यकता केवल कानूनों की नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना की है। विद्यालयों में लैंगिक समानता के संस्कार, परिवारों में बेटियों के प्रति समान व्यवहार, महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता, दहेज लेने–देने वालों का सामाजिक बहिष्कार तथा पंचायत स्तर तक जनजागरण अभियान ही वास्तविक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। यदि हम सचमुच विकसित भारत का स्वप्न देखते हैं तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि बालिका शिक्षा, स्त्री सम्मान और दहेज उन्मूलन केवल महिला मुद्दे नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रश्न हैं। जिस दिन हर बेटी निर्भय होकर शिक्षा प्राप्त करेगी, अपने जीवन के निर्णय स्वयं ले सकेगी और विवाह दहेज नहीं बल्कि समानता, सम्मान और प्रेम पर आधारित होगा, उसी दिन हम सच्चे अर्थों में आधुनिक, प्रगतिशील और सभ्य समाज कहलाने के अधिकारी होंगे।

अब समय की आवश्यकता यह है कि हम केवल परिवर्तन की प्रतीक्षा न करें, बल्कि स्वयं परिवर्तन बनें। क्योंकि बेटी का सम्मान ही समाज का सम्मान है, और स्त्री की प्रगति ही राष्ट्र की वास्तविक प्रगति है।

वन्यजीव संरक्षणः प्रकृति बची तो भविष्य सुरक्षित

–डॉ. प्रियंका सौरभ–

वन्यजीव किसी देश की प्राकृतिक संपदा भर नहीं होते, बल्कि वे उसके पारिस्थितिक तंत्र की जीवंत कड़ियाँ हैं। जंगल, घासभूमि, आर्द्रभूमि, नदियाँ और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र तभी संतुलित रह सकते हैं, जब उनमें रहने वाली विभिन्न प्रजातियाँ सुरक्षित रहें। भारत जैव–विविधता की दृष्टि से दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में शामिल है। यहाँ हिमालय से लेकर पश्चिमी घाट, थार के मरुस्थल से लेकर सुंदरबन और अंडमान–निकोबार तक विविध प्रकार के आवास पाए जाते हैं। ऐसे में वन्यजीव संरक्षण केवल कुछ दुर्लभ प्रजातियों को बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों और मानव जीवन की सुरक्षा का भी प्रश्न है। राजस्थान में कैद में पाले गए ग्रेट इंडियन बस्टर्ड यानी गोडावण को वैज्ञानिक तरीके से पुनः प्राकृतिक आवास में स्थापित करने के प्रयास इस बात का उदाहरण हैं कि भारत अब संरक्षण में पारंपरिक उपायों के साथ वैज्ञानिक हस्तक्षेपों को भी महत्व दे रहा है।

वन्यजीव संरक्षण का पहला और सबसे स्पष्ट महत्व जैव–विविधता की रक्षा है। प्रत्येक प्रजाति पारिस्थितिक तंत्र में किसी न किसी भूमिका का निर्वहन करती है। किसी प्रजाति का विलुप्त होना केवल एक जीव के समाप्त होने की घटना नहीं होती, बल्कि उसके साथ जुड़ी अनेक जैविक प्रक्रियाएँ भी प्रभावित हो सकती हैं। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जैसी गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजाति का संरक्षण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके अस्तित्व के साथ उसके पूरे घासभूमि आवास का संरक्षण जुड़ा हुआ है। इसी प्रकार बाघ के संरक्षण ने भारत में बड़े वन क्षेत्रों, शिकार प्रजातियों और संपूर्ण खाद्य–श्रृंखला की सुरक्षा को बढ़ावा दिया है। इसलिए किसी 'छत्र प्रजाति' का संरक्षण अनेक अन्य प्रजातियों के लिए भी सुरक्षा कवच बन सकता है। वन्यजीव पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिकारी प्रजातियाँ शाकाहारी जीवों की संख्या को नियंत्रित करती हैं, परागणकर्ता पौधों के प्रजनन में सहायता करते हैं और अनेक पक्षी तथा छोटे जीव बीजों के प्रसार में योगदान देते हैं। यदि खाद्य–श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी कमजोर हो जाए तो उसका प्रभाव पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ सकता है। स्वस्थ वन और घासभूमियाँ जल संरक्षण, मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने और कार्बन को अवशोषित करने में भी योगदान देती हैं। इस प्रकार वन्यजीव संरक्षण जलवायु और पर्यावरणीय सुरक्षा से भी सीधे जुड़ा हुआ है।

वन्यजीवों का संरक्षण मानव समाज के लिए अनेक पारिस्थितिकी सेवाएँ भी सुनिश्चित करता है। वनों और आर्द्रभूमियों का संरक्षण जल को संचित करने, भूजल पुनर्भरण, बाढ़ नियंत्रण और तापमान को संतुलित करने में सहायता करता है। मधुमक्खियों, तितलियों और अन्य परागणकर्ताओं का संरक्षण कृषि उत्पादकता से जुड़ा है। इसी प्रकार प्राकृतिक आवास कार्बन भंडारण में योगदान देकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में सहायता करते हैं। इसलिए प्रकृति की रक्षा को केवल पर्यावरणीय दायित्व समझना पर्याप्त नहींय यह खाद्य, जल और आजीविका की सुरक्षा का भी आधार है।

वन्यजीव संरक्षण का आर्थिक महत्व भी कम नहीं है। राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य और टाइगर रिजर्व प्रकृति–आधारित पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, जिससे स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार और आय के अवसर पैदा होते हैं। यदि पर्यटन का विकास स्थानीय लोगों की भागीदारी और पर्यावरणीय सीमाओं के अनुरूप किया जाए तो संरक्षण और आजीविका एक–दूसरे के पूरक बन सकते हैं। इसके अतिरिक्त वन्यजीव भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का हिस्सा हैं। आने वाली पीढ़ियों को बाघ, हाथी, गोडावण, गैंडा, सिंह और अनेक पक्षी–प्रजातियाँ उसी प्राकृतिक परिवेश में दिखाई दें, यह हमारी पीढ़ी की जिम्मेदारी है। हालाँकि वन्यजीव संरक्षण के सामने चुनौतियाँ गंभीर हैं। सबसे बड़ी चुनौती आवासों का क्षरण और विखंडन है। बढ़ती आबादी, कृषि विस्तार, खनन, सड़क, रेल, उद्योग और अन्य आधारभूत परियोजनाओं के कारण वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास सिकुड़ रहे हैं। अलग–अलग हिस्सों में बँट चुके जंगल जानवरों की आवाजाही और प्रजनन को प्रभावित करते हैं। विशेष रूप से हाथी, बाघ और तेंदुए जैसी बड़ी प्रजातियों के लिए वन्यजीव गलियारों का सुरक्षित रहना आवश्यक है।

आधुनिक आधारभूत ढाँचा विकास के साथ एक नई चुनौती भी सामने आई है। सड़क और रेल दुर्घटनाएँ, विद्युत लाइनों से टकराव तथा ऊर्जा अवसंरचना कई पक्षी और अन्य वन्यजीव प्रजातियों के लिए खतरा बन सकती है। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। इसके संरक्षण के लिए केवल पक्षियों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगाय उसके प्राकृतिक आवास में मौजूद खतरों को भी कम करना होगा। इससे स्पष्ट होता है कि संरक्षण नीति को प्रजाति–केंद्रित होने के साथ–साथ लैंडस्केप–केंद्रित भी होना चाहिए।

मानव–वन्यजीव संघर्ष भी संरक्षण के सामने बड़ी चुनौती है। जब हाथी खेतों में प्रवेश करते हैं, तेंदुए आबादी के निकट दिखाई देते हैं या जंगली जानवर फसलों को नुकसान पहुँचाते हैं, तो स्थानीय लोगों के सामने वास्तविक आर्थिक और सुरक्षा संबंधी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। यदि संरक्षण का लाभ स्थानीय समुदायों तक नहीं पहुँचता, तो संरक्षण के प्रति असंतोष पैदा हो सकता है। इसी तरह अवैध शिकार और वन्यजीवों की तस्करी कुछ प्रजातियों के लिए लगातार खतरा बनी हुई है। जलवायु परिवर्तन इस चुनौती को और जटिल बनाता है क्योंकि तापमान और वर्षा के बदलते पैटर्न से कई प्रजातियों के पारंपरिक आवास प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में आगे की रणनीति बहुआयामी होनी चाहिए। सबसे पहले प्राकृतिक आवासों की रक्षा के साथ–साथ क्षतिग्रस्त आवासों का पुनर्स्थापन किया जाए। वन्यजीव गलियारों की वैज्ञानिक पहचान कर उन्हें सुरक्षित किया जाना चाहिए। विकास परियोजनाओं की पर्यावरणीय स्वीकृति में केवल किसी एक संरक्षित क्षेत्र को नहीं, बल्कि पूरे लैंडस्केप और वन्यजीवों की आवाजाही को ध्यान में रखा जाना आवश्यक है। जहाँ वैज्ञानिक रूप से उपयुक्त हो, वहाँ कैप्टिव ब्रीडिंग, जीन बैंक, रेडियो–टैगिंग, कैमरा ट्रैप और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाए। गोडावण जैसे संकटग्रस्त पक्षियों के लिए प्रजनन और पुनर्स्थापन कार्यक्रम तभी सफल होंगे, जब उनके प्राकृतिक आवास को भी सुरक्षित रखा जाए।

11 हजार की लाइन से टकराया खंभा, दो ग्रामीणों की मौत

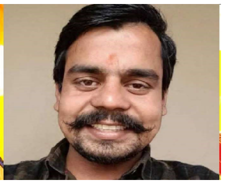

संवाददाता—श्रावस्ती। जिले के गिलौला क्षेत्र की ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर में मंगलवार को तूफान के दौरान गिरे विद्युत पोल को लगाते समय पोल 11 हजार की हाईटेंशन लाइन से टकरा गया। हादसे में पोल लगवा रहे दो ग्रामीणों की मौत हो गई। घटना के बाद से ग्रामीणों में विद्युत विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने बताया कि लाइनमैन को मौके पर बुलाया गया था। लाइन मैन खुद मौके पर नहीं आए और अपने दो सहयोगियों को मौके पर भेजा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लाइनमैन ने शट डाउन लेने का दावा किया था और ग्रामीणों से विद्युत पोल लगाने की बात कही थी। जिसके बाद हम सभी विद्युत पोल लगा रहे थे। इस दौरान पोल ऊपर से गुजरी 11000 हाईटेंशन लाइन से छू गया। शट डाउन न होने से दो ग्रामीण सचिन मिश्रा (20) व वेद पाठक (40) हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर झुलस गए। दोनों को इलाज के लिए सीएचसी गिलौला ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में एसडीओ प्रवेंद्र सिंह ने बताया ग्रामीण स्वयं पोल लगा रहे थे। विभाग को कोई जानकारी नहीं दी थी। इस दौरान विद्युत पोल 11000 की हाईटेंशन लाइन को छू गया और दो लोगों की मौत हो गई।

शराब पीने के दौरान विवाद, दबदबा बनाने को हवाई फायरिंग, तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—गोंडा। मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे देहात कोतवाली पुलिस ने हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से एक अवैध पिस्टल और कारतूस बरामद किए हैं। आरोपियों ने पूछताछ में स्थानीय लोगों पर दबदबा बनाने के लिए फायरिंग करने की बात बताई है।

पुलिस के अनुसार सोमवार शाम करीब 7 बजे रायपुर दर्जीकुआं स्थित कंपोजिट शराब की दुकान से तीनों ने शराब खरीदी। इसके बाद दुकान के पास नमकीन के साथ शराब पीने लगे। इसी दौरान वहां कुछ स्थानीय लोग पहुंच गए। किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों में गाली—गलौज और धक्का—मुक्की हुई। स्थानीय लोगों ने बीच—बचाव कर दोनों पक्षों को अलग कर दिया। इसके बाद तीनों आरोपी गाड़ी से घर जाने लगे। इसी दौरान एक आरोपी ने हवाई फायरिंग कर दी। फायरिंग से मौके पर दहशत फैल

गई। पुलिस के मुताबिक फायरिंग के बाद स्थानीय लोगों ने पीछा कर राम फेर तिवारी को पकड़ लिया था। उससे पूछताछ के बाद पुलिस ने मोहम्मद कलाम और पंकज मिश्रा को भी गिरफ्तार कर लिया।

सीओ नगर योगेंद्र सिंह ने बताया कि देहात कोतवाल शमशेर बहादुर सिंह और उनकी टीम ने कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राम फेर तिवारी उर्फ पालू तिवारी, मोहम्मद कलाम और पंकज मिश्रा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मोहम्मद कलाम के पास से 7.65 एमएम की अवैध पिस्टल बरामद हुई। राम फेर तिवारी और पंकज मिश्रा के कब्जे से कारतूस मिले हैं।

पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शराब पीने के दौरान स्थानीय लोगों से विवाद हुआ था। इसके बाद इलाके में दबदबा कायम करने और दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग की गई। पुलिस पिस्टल के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एक सप्ताह से गायब युवक का नाले में मिला शव

संवाददाता—देवरिया। एक सप्ताह से गायब युवक का शव मंगलवार को नाले में पड़ा मिला। दुर्गंध आने पर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने परिजनों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।युवक के मौत की जानकारी मिलते ही घर में कोहराम मच गया। रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के गौतम चक मठिया गांव निवासी रमाकांत यादव (48) पुत्र स्व नथुनी यादव पेशे से मजदूर था। बताया जा रहा है कि वह सुबह शाम नशे में धुत रहता था। लगभग एक सप्ताह पहले वह घर नहीं लौटा। तलाश करने के बाद परिजनों ने मामले की जानकारी पुलिस को दिया था। मंगलवार की सुबह रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के डुमरी पांडेय चक रोड स्थित रामपुर धुस से पहले नाले से दुर्गंध आने की जानकारी आसपास के लोगों ने पुलिस को दिया। मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने नाले में शव पड़े देखा। ग्रामीणों की मदद से शव बाहर निकलवाया गया। उसकी पहचान रमाकांत यादव के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रमाकांत यादव के पिता नथुनिया यादव की 1 वर्ष पहले करमैनी नाले में डूबने से मौत हो गई थी। पिता और पुत्र की अकाल मौत से परिजन चीत्कार कर उठे। रमाकांत की तीन पुत्रियां, एक बेटा और पत्नी घटनास्थल पर पहुंचकर दहाड़े मार रोने लगे। 1 वर्ष में दो अकालघ्ट होने से सांत्वना दे रहे आसपास के लोगों की आंखें भी नम हो गई।

संतों के भोजनालय पर कब्जे का प्रयास करने का आरोप

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। अखिल भारतीय पंच तेरह भाई त्यागी खाक चौक आश्रम में व्यवस्थाओं को लेकर संतों के बीच चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। आश्रम के श्रीमहंत बृजमोहन दास ने सुनील दास की ओर से लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि उनके ऊपर गाली—गलौज करने अथवा डंडे से दौड़ाने जैसे आरोप लगाए जा रहे हैं, जो पूरी तरह अनर्गल हैं।श्रीमहंत बृजमोहन दास ने कहा कि बर्फानी दादा के शिष्य बाल योगी महंत लक्ष्मण दास, जो अमरकंटक में रहते हैं, सुनील दास को आश्रम की व्यवस्था देखने के लिए लेकर आए थे। उस समय संतों ने इसका विरोध नहीं किया और उन्हें ऊपर रहने तथा व्यवस्था देखने की बात स्वीकार की गई थी। उनका कहना है कि विवाद तब शुरू हुआ जब सुनील दास की ओर से संतों के लिए बनाए गए भोजनालय हाल पर अधिकार करने का प्रयास किया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि भोजन के लिए बनाए गए हाल पर कब्जा करने की कोशिश का संतों ने विरोध किया। श्रीमहंत ने कहा कि उक्त परिसर संतों के लिए है और इसकी व्यवस्था भी संतों के उपयोग के लिए ही रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि आश्रम के ऊपरी हिस्से में तोड़फोड़ और खटखट की आवाजें आने के बावजूद उन्होंने कोई विवाद नहीं किया। रंगाई—पुताई को लेकर भी उन्होंने आपत्ति नहीं जताई।श्रीमहंत ने कहा कि वह स्वयं उस समय मौके पर मौजूद नहीं थे, जब भोजनालय हाल को लेकर विवाद हुआ। उन्होंने कहा कि वह किसी से विवाद या झगड़े के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन संतों के लिए निर्धारित पंगत हाल पर किसी का एकाधिकार स्वीकार नहीं किया जा सकता।वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से आश्रम की व्यवस्थाओं को लेकर अलग आरोप लगाए गए हैं। दोनों पक्षों के आरोप—प्रत्यारोप के बीच आश्रम की व्यवस्था और संपत्ति के उपयोग को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इस अवसर पर महंत बलराम दास, महंत सुदामा दास, महंत राम बालक दास, महंत जानकी दास, पुजारी नंदकिशोर दास, राम भूषण दास, रामदास सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

अखिलेश यादव की गिरफ्तारी पर गोंडा में सपा का प्रदर्शन, ज्ञानेश कुमार के पुतले को जूते—चप्पल से पीटा

संवाददाता—गोंडा। मंगलवार दोपहर करीब 3रु30 बजे सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन दिल्ली में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में किया गया। सैकड़ों कार्यकर्ता सपा कार्यालय से निकलकर गुरुनानक चौराहा पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। सपा कार्यकर्ता गुरुनानक चौराहे पर चढ़ गए। यहां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारे लगाए। कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त करने और इस्तीफा देने की मांग की। इस दौरान उनके खिलाफ आपत्तिजनक नारे भी लगाए गए।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार के पुतले को जूते—चप्पल से पीटा। इसके बाद पुतला दहन किया गया। पुलिसकर्मियों ने पुतला हटाने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस और सपा कार्यकर्ताओं के बीच पुतले को लेकर खींचतान हुई। सपा जिलाध्यक्ष अरशद हुसैन ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में वोटों की चोरी की गई है। उन्होंने कहा कि इसी मुद्दे को उठाने के लिए अखिलेश यादव दिल्ली गए थे। आरोप है कि उन्हें गिरफ्तार कर आवाज उठाने से रोका गया। उन्होंने इसे लोकतंत्र की हत्या बताया और ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी की मांग की।

सपा नेता सूरज सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा को सत्ता जाने का डर होता है तो चुनाव आयोग का दुरुपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा, जब तक उनकी रिहाई नहीं हो जाती। मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष देवेंद्र प्रताप ने कहा कि देश के अलग—अलग हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि यह देश का नहीं, बल्कि भाजपा का चुनाव आयोग बनकर रह गया है। पुतला दहन और नारेबाजी के बाद सपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी वापस सपा कार्यालय लौट गए। पुलिस की मौजूदगी में प्रदर्शन समाप्त हुआ।

अखिलेश के हिरासत के विरोध में सपाइयों का प्रदर्शन सुभाष चौक पर सड़क जाम करने की कोशिश

संवाददाता—देवरिया। मंगलवार को सपा कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता दोपहर करीब डेढ़ बजे सुभाष चौक पर जुटे और सरकार व चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन दोपहर 2 बजे तक जारी रहा। प्रदर्शन के दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम करने की कोशिश की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उन्हें हटाया। इस दौरान रुद्रपुर के पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अवनीश यादव समेत करीब छह सपा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। पुलिस सभी को वाहन में बैठाकर अपने साथ ले गई। सपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि दिल्ली में चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्षी सांसदों के शांतिपूर्ण मार्च को रोक दिया गया। उनके मुताबिक, इंडिया गठबंधन के सांसद 'सेव डेमोक्रेसी मार्च' के तहत प्रदर्शन करने निकले थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया और कुछ नेताओं को हिरासत में ले लिया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि दिल्ली में किया गया प्रदर्शन विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष की आपत्तियों से जुड़ा है। इसी के विरोध में देवरिया में भी सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की।

भाजपा के नए जिला प्रभारी का कार्यकर्ताओं ने फूल—मालाओं से किया अभिनंदन

संवाददाता—देवरिया। भाजपा के नवनियुक्त जिला प्रभारी देवेंद्र यादव मंगलवार को पहली बार पहुंचे। दोपहर करीब 1:30 बजे जिले की सीमा में प्रवेश करने के बाद खरोह चौराहा, गौरी बाजार और बैतालपुर चौराहे पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूल—मालाओं और पुष्पगुच्छ से उनका स्वागत किया। इसके बाद और चौरी स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर स्वागत समारोह आयोजित किया गया, जो शाम 4 बजे तक चला। जिला कार्यालय पहुंचने पर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने देवेंद्र यादव का स्वागत किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि संगठन की सबसे बड़ी ताकत कार्यकर्ता हैं। पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, उसका पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद व समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया। देवेंद्र यादव ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के साथ संगठनात्मक गतिविधियों को भी गति दी जाएगी।

राज्य मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है और कार्यकर्ताओं के परिश्रम से संगठन मजबूत होता है। सदर सांसद शशांक मणि ने कहा कि नए जिला प्रभारी के मार्गदर्शन में संगठनात्मक गतिविधियों को और गति मिलेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने की बात कही। रुद्रपुर विधायक जयप्रकाश निषाद ने कहा कि पार्टी की ताकत उसका संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। विधायक सुरेंद्र चौरसिया ने कहा कि जिला प्रभारी के आगमन से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। भाजपा जिलाध्यक्ष काली प्रसाद ने कहा कि देवेंद्र यादव के मार्गदर्शन में संगठन को और सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के लिए पदाधिकारी और कार्यकर्ता मिलकर काम करेंगे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अजय कुमार दुबे ने किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत प्रशासक गिरीश चंद तिवारी, डॉ. अभय मणि, विजय गोंड, हरिचरण कुशवाहा, छठे लाल निगम, पूर्व जिलाध्यक्ष विजय कुमार दुबे, भूपेंद्र सिंह, अंतर्यामी सिंह, मारकंडे शाही, नरेंद्र मिश्रा पप्पू, हरेंद्र जायसवाल, अशोक पांडे, ऊषा पासवान, डॉ. विनय राव, जय बहादुर गौतम, अजीत सिंह, जितेंद्र सिंह सैंथवार, रामजी सिंह, कृष्णनाथ राय, राघवेंद्र वीर विक्रम सिंह, बबीता चौहान, सीपी सिंह, रजनीश उपाध्याय, अभयनाथ त्रिपाठी, त्रिपुनायक श्रीवास्तव, मारकंडे गिरी, काशीपति शुक्ला, शैलेंद्र सिंह आजाद, डॉ. हेमंत मिश्रा, गोविंद चौरसिया, पवन कुमार मिश्रा, अखिलेश त्रिपाठी, शिवा पांडे, नागेंद्र त्रिपाठी, प्रमोद मिश्रा और बृजेश धर दुबे समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जलभराव से गिरी धान की फसल सड़ने लगी

संवाददाता—बलरामपुर। रेहरा बाजार में रेहरा बाजार क्षेत्र में लगातार बारिश के बाद खेतों में जमा पानी अब किसानों के लिए नई मुसीबत बनता जा रहा है। खेतों में पानी भरा होने और तेज हवा—बारिश के कारण जमीन पर गिरी धान की फसल में फंगस लगने लगा है। कई खेतों में धान की बालियां पानी में डूबी रहने से दाने सड़ने लगे हैं। इससे किसानों को तैयार फसल के बड़े नुकसान की चिंता सताने लगी है। किसानों के मुताबिक बारिश और तेज हवाओं के कारण धान की खड़ी फसल बड़े पैमाने पर खेतों में गिर गई थी। उम्मीद थी कि मौसम साफ होने के बाद खेतों से पानी निकल जाएगा और गिरी फसल को संभाल लिया जाएगा, लेकिन कई दिनों से जलभराव बना रहने के कारण हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। जमीन पर पड़ी धान की बालियां पानी और नमी के संपर्क में रहने से उनमें फंगस दिखाई देने लगा है। कुछ जगह दानों का रंग बदलने के साथ उनके सड़ने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। किसान राहुल, भानु, राजू, मुस्ताक, रिजवान और आशीष ने बताया कि इस समय धान की फसल पकने के अंतिम चरण में है। ऐसे में लगातार पानी में पड़े रहने से फसल की गुणवत्ता प्रभावित होने के साथ उत्पादन में भी भारी कमी आने की आशंका है। किसानों का कहना है कि खेतों से जल्द पानी नहीं निकला तो नुकसान और बढ़ सकता है। किसानों ने प्रशासन और कृषि विभाग से जलभराव वाले खेतों का निरीक्षण कराकर नुकसान का आकलन कराने तथा प्रभावित किसानों को राहत दिलाने की मांग की है। किसानों का कहना है कि बारिश से पहले ही फसल को काफी नुकसान हो चुका है, अब खेतों में जमा पानी उनकी बची उम्मीद पर भी पानी फेर रहा है।

एबीवीपी के युवती सम्मेलन में 500 से अधिक छात्राएं पहुंचीं, शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर जोर

संवाददाता—बलरामपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) अवध प्रांत की ओर से मंगलवार को 'क्षितिजा युवती सम्मेलन' का आयोजन किया गया। सम्मेलन में जिले भर से 500 से अधिक छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में युवतियों को शिक्षा, आत्मनिर्भरता, संस्कार और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का समापन लगभग दोपहर 2रु15 बजे हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री एवं अल्पसंख्यक आयोग सदस्य नेहा खान, आरएसएस की कार्यवाहिका नेहा भारद्वाज, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य शिवांगी दुबे, इकाई उपाध्यक्ष रक्षिता मिश्रा और नगर अध्यक्ष मुन्नू तिवारी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रांत कार्यकारिणी सदस्य शिवांगी दुबे ने सम्मेलन की प्रस्तावना रखी। नेहा खान ने कहा कि आज की युवतियों के लिए शिक्षा के साथ आत्मनिर्भरता भी जरूरी है। सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि आज की नारी अब अबला नहीं, बल्कि सबला है। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि एबीवीपी से जुड़ाव ने उनके जीवन को नई दिशा दी और संगठन के माध्यम से उन्हें आगे बढ़ने के अवसर मिले।

मुख्य वक्ता नेहा भारद्वाज ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव शक्ति का प्रतीक माना गया है। 'क्षितिजा' का अर्थ ही क्षितिज को छूने वाली है। उन्होंने युवतियों से आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कारों को बनाए रखते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "जब युवती सशक्त होगी, तभी राष्ट्र सशक्त होगा।"सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी समां बांधा। तपस्या, शिखा पांडेय और अंशिका उपाध्याय की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम का मंच संचालन विभाग छात्रा प्रमुख कीर्ति उपाध्याय ने किया। समापन वंदे मातरम् के साथ हुआ।इस अवसर पर नगर जिला प्रमुख डॉ. अनुज सिंह, नगर अध्यक्ष आलोक शुक्ला सहित एबीवीपी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

112 आकांक्षी जिलों की रैंकिंग में बलरामपुर नंबर—1, अब कमजोर संकेतकों को सुधारने पर जोर, विशेष सचिव ने की समीक्षा

संवाददाता—बलरामपुर। नीति आयोग के आकांक्षी जिला कार्यक्रम में 112 जिलों की ओवरऑल रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया है। अब जिले में कमजोर संकेतकों को सुधारने की कवायद शुरू हो गई है। मंगलवार दोपहर 2:30 बजे कलेक्ट्रेट में विशेष सचिव कुमार विनीत ने विकास सूचकांकों की समीक्षा की। उन्होंने बेहतर प्रदर्शन वाले संकेतकों को बनाए रखने के निर्देश दिए। डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन की मौजूदगी में बैठक हुई। इसमें स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, समावेशी विकास और बुनियादी ढांचे की प्रगति की समीक्षा की गई। विशेष सचिव ने विभागवार आंकड़ों की जानकारी ली। जिले में प्रथम तिमाही एएनसी पंजीकरण 99.89 प्रतिशत रहा। आईसीडीएस पूरक आहार आच्छादन 99.50 प्रतिशत दर्ज किया गया। गंभीर एनीमिया उपचार 100 प्रतिशत और पूर्ण टीकाकरण 100.15 प्रतिशत रहा। संस्थागत प्रसव और मानकों के अनुरूप क्रियाशील एफआरयू में मौजूद गैप को दूर करने के निर्देश दिए गए। शिक्षा क्षेत्र में जिले में 100 प्रतिशत बुनियादी ढांचा उपलब्ध बताया गया। विशेष सचिव ने कहा कि सुविधाओं का असर बच्चों की सीखने की क्षमता में दिखना चाहिए। ड्रॉपआउट, नियमित उपस्थिति और लर्निंग आउटकम की लगातार निगरानी के निर्देश दिए गए। कृषि क्षेत्र में 215.8 करोड़ रुपए का कृषि ऋण वितरण बताया गया। कृषि बीमा आच्छादन 100 प्रतिशत रहा। बैठक में सूक्ष्म सिंचाई और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की भी समीक्षा हुई। किसानों को योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए। बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में ग्राम पंचायत इंटरनेट कनेक्टिविटी 100 प्रतिशत रही। कॉमन सर्विस सेंटर की प्रगति 98.36 प्रतिशत और प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति 97.13 प्रतिशत रही। बैंकिंग, बीमा और मुद्रा ऋण से जुड़े संकेतकों में सुधार के लिए विभागों और बैंकों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया। विशेष सचिव कुमार विनीत ने कहा कि बेहतर उपलब्धियों को बनाए रखना है। कमजोर संकेतकों के लिए स्पष्ट रणनीति बनाई जाए। हर काम की समयसीमा तय की जाए। डीएम ने अधिकारियों को सभी सूचकांकों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में दिए गए निर्देशों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में सीएमओ, उपायुक्त मनरेगा समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

दुष्कर्म के आरोपी की गिरफ्तारी न होने से आहत किशोरी ने आत्मदाह की कोशिश की

संवाददाता—महराजगंज। शादी का झांसा देकर संबंध बनाने के मामले में गिरफ्तारी न होने से आहत महराजगंज के पुरंदरपुर थानाक्षेत्र की एक किशोरी मंगलवार को पेट्रोल की बोतल लेकर दीवानी न्यायालय परिसर में पहुंच गई। दोपहर करीब 11:30 बजे उसने गेट के अंदर दाखिल होते ही उसने शरीर पर पेट्रोल उड़ेलकर आत्मदाह का प्रयास किया। हालांकि न्यायालय की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उसे आग लगाने से पहले ही रोक लिया और बोतल छीन ली। दोपहर के समय कोर्ट परिसर में हुई इस घटना से अफरातफरी मच गई। सूचना पर सदर कोतवाल धर्मेंद्र सिंह महिला पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। किशोरी को तत्काल कस्टडी में लेकर सदर कोतवाली लाया गया। सदर कोतवाल ने बताया कि किशोरी पुरंदरपुर क्षेत्र की निवासी है, इसलिए दोपहर दो बजे उसे पुरंदरपुर पुलिस को सौंप दिया गया। पुरंदरपुर थाना निरीक्षक ने बताया कि किशोरी ने करीब एक माह पहले थाने में शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण का मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में विवेचना चल रही है, इसलिए अभी गिरफ्तारी नहीं हुई थी। किसी के बहकावे में आकर वह पेट्रोल लेकर न्यायालय परिसर पहुंच गई थी।पुलिस ने बताया कि किशोरी को समझा—बुझाकर परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा।

नशीली दवाओं की तस्करी का खुलासा, दो तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता—महराजगंज। नेपाल सीमा से सटे ठूठीबारी क्षेत्र में पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 1064 नशीले कैप्सूल और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें रिमांड पर भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, कार्रवाई एसपी शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। एएसपी सिद्धार्थ के मार्गदर्शन और सीओ निचलौल रविन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में ठूठीबारी पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिलीप हरिजन (20) पुत्र नरसिंह, निवासी हरपुर, वार्ड नंबर—2, थाना पिपरहवा, जिला नवल परासी, नेपाल और मंजेश गुप्ता (22) पुत्र प्रभुनाथ गुप्ता, निवासी सिन्दुरिया, महराजगंज के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक दिलीप ने कक्षा 12 और मंजेश ने कक्षा 10 तक पढ़ाई की है।

महंत रामकमल दास की 37वीं पुण्यतिथि पर संतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। रामनगरी के रायगंज जयसिंहपुर मोहल्ले में स्थित तिकोनिया मंदिर में महंत रामकमल दास महाराज की 37वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई। मंदिर के पीठाधीश्वर एवं महाराज जी के शिष्य महंत हरेराम दास महाराज के संयोजन में श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। इसमें अयोध्या के संत—महंतों ने महंत रामकमल दास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए।संतों ने कहा कि महंत रामकमल दास महाराज सेवा भाव को सर्वोपरि मानते थे। उनके बताए मार्ग पर चलते हुए महंत हरेराम दास संत सेवा, गौ सेवा और श्रद्धालुओं की सेवा के कार्य को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। अयोध्या के साथ देश के विभिन्न क्षेत्रों में सनातन धर्म के प्रचार—प्रसार के लिए भी उनके स्तर से कार्य किए जा रहे हैं।

आगे बढ़ रहा है। उनकी कामना है कि यह परंपरा आगे भी इसी तरह चलती रहे। उन्होंने कहा कि श्राद्ध पक्ष में पितरों की उपस्थिति मानी जाती है। इसी भाव से संतों को भोजन—प्रसाद अर्पित किया गया और गुरुदेव को विविध व्यंजनों का भोग लगाया गया। एकादशी होने के कारण संतों के लिए फलाहार की व्यवस्था की गई।कार्यक्रम में महंत रामकुमार दास, राजू दास, महंत राजेश पहलवान समेत अयोध्या से बड़ी संख्या में संत—महंत उपस्थित रहे। सभी ने महंत रामकमल दास महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके सेवा कार्यों को स्मरण किया।

महंत हरेराम दास महाराज ने कहा कि गुरु की सेवा और उनके आशीर्वाद से सेवा का यह क्रम निरंतर

थप्पड़कांड के बाद 2 हजार से अधिक लोग सड़क पर, अंशुमान सिंह के समर्थन में आया क्षत्रिय समाज

संवाददाता–गोरखपुर। सपा नेताओं के बीच थप्पड़ कांड अब जातिगत मोड़ लेता जा रहा है। पूर्व जिलाध्यक्ष नगीना प्रसाद साहनी के पक्ष में निषाद समाज के लामबंद होने के बाद अब क्षत्रिय समाज भी एकजुट होने लगा है। मंगलवार को बांसगांव में 2 हजार से अधिक लोग अंशुमान के समर्थन में आ गए। सड़कों पर उतरकर नारेबाजी की। इसके बाद नगर पंचायत अध्यक्ष प्रीति सिंह की ओर से एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि किसी भी मामले में पूरी सच्चाई सामने आने से पहले एकतरफा कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। जांच में यदि आरोप निराधार पाए जाते हैं तो अंशुमान सिंह के खिलाफ दर्ज मुकदमे को वापस लेने की मांग भी की गई। कार्यक्रम में क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री राजवीर सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता कालिका सिंह, मंडल उपाध्यक्ष जेपी सिंह, मंडल महामंत्री इंद्रजीत सिंह और अजीत सिंह सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी रहे।

इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय कुमार सिंह बबलू, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष यशवंत सिंह, मंत्री विनय कुमार सिंह, मृत्युंजय सिंह, विकास सिंह, रत्नेश्वर सिंह राजू, देवेश सिंह, राजन सिंह राजपूत, सपा नेता सीपी सिंह, भानु प्रताप सिंह, गोरख सिंह, छात्र नेता अभय सिंह, विजय प्रताप सिंह रासु, शिव सिंह, जय सिंह मौजूद रहे। सोमवार को बांसगांव में क्षत्रियों ने महापंचायत लगाई। 3 घंटे से अधिक समय तक यहां आपस में चर्चा हुई। सभी ने एक स्वर में अंशुमान सिंह को अपना समर्थन दिया है। नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि विजय कुमार सिंह बबलू के आह्वान पर बांसगांव कस्बे की सभी दुकानें बंद रखने का आह्वान किया गया था। इस महापंचायत को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने संजय निषाद के उस बयान पर भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसमें उन्होंने कहा था श्कोई हाथ उठाए तो हाथ काट दो, जमानत मैं करा लूंगाश। वक्ताओं ने डा. संजय निषाद को चेतावनी भी दी। इस महापंचायत में 2000 से अधिक लोग एकत्र हुए थे।

4 अक्टूबर को सपा के तत्कालीन जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम ने लोकतंत्र बचाओ सप्ताह के अंतर्गत पत्रकारवार्ता की। इसमें सपा के प्रमुख नेताओं को बुलाया गया था। वहां पूर्व जिलाध्यक्ष एवं गोरखपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से टिकट के दावेदार नगीना प्रसाद साहनी भी पहुंचे थे। इसी विधानसभा क्षेत्र से तैयारी कर रहे अंशुमान सिंह को भी बुलाया गया था। अपराह्न 2 बजे के करीब वह भी अपने पुत्र कमलेश व समर्थकों के साथ प्रेसक्लब पहुंचे। नगीना प्रसाद साहनी, लोकसभा का चुनाव लड़ चुकीं काजल निषाद के बगल में बैठे थे।

सेवा शिविरों से आसान हुआ योजनाओं का लाभ – अखण्ड प्रताप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंड हर्रैया के ब्लॉक सभागार में चल रहे पांच दिवसीय बहुउद्देशीय सेवा शिविर के चौथे दिन मंगलवार को मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों और कर्मचारियों से योजनाओं की जानकारी ली।

शिविर में 18 विभागों की ओर से स्टॉल लगाए गए थे। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने ग्रामीणों को अपने–अपने विभाग से संचालित योजनाओं, पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना है। एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध होने से ग्रामीणों को अलग–अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं।उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए लगातार योजनाओं का विस्तार कर रही हैं। सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए इस तरह के शिविर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, किसान, महिला, युवा, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी अनेक योजनाओं के माध्यम से लोगों को सीधे लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने सरकार की विभिन्न उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। संचालन एआरपी सन्तोष कुमार शुक्ल ने किया। इस अवसर पर प्रमुख प्रतिनिधि योगेंद्र सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवचरन जायसवाल, रवि पाण्डेय, आलोक सिंह, एआरपी रवीश कुमार मिश्र, राजीव शुक्ल, देवेंद्र ओझा, ममता त्रिपाठी, मस्तराम यादव, रिजवान अहमद, जावेद, विवेकानंद शुक्ल, डॉ. योगेश शुक्ल, आशीष शुक्ल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी–कर्मचारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

सपाईयों ने मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंका, किया प्रदर्शन

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सपाईयों ने मंगलवार को जोरदार प्रदर्शन किया। दिल्ली में विरोध–प्रदर्शन कर रहे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने की जानकारी मिलते ही पार्टी के नेता भड़क गए। नाराज कार्यकर्ताओं ने अम्बेडकर प्रतिमा के पास पहुंच कर प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला जलाया। नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष को हिरासत में लेना लोकतंत्र का अपमान है। लोकतांत्रिक व्यवस्था का गला घोटने के बराबर है।सपाईयों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई और अखिलेश यादव को तत्काल रिहा करने की मांग की। इस दौरान निवर्तमान जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम, निवर्तमान महानगर अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी, अवधेश यादव, प्रहलाद यादव, डॉ. संजयन त्रिपाठी, कमलेश यादव, पूर्व मंत्री दुर्गा प्रसाद यादव, हवलदार यादव, श्याम नारायन यादव, रामनाथ यादव, बृजनाथ मौर्य, मनुरोजन यादव, देवेंद्र भूषण निषाद, अशोक यादव, महेंद्र तिवारी, राहुल गुप्ता, राहुल यादव, रामा यादव, आजम लारी, घनश्याम राव, रामललित यादव मौजूद रहे।

डॉक्टर' को पिस्टल की खेप देने आए युवक को एसटीएफ ने दबोचा

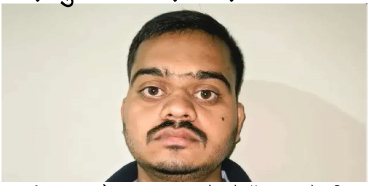

संवाददाता–गोरखपुर। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर से पिस्टल लाकर गोरखपुर में बेचने वाले युवक को एसटीएफ ने सोमवार की रात पैडलेगंज के पास गिरफ्तार किया है। उसके पास से दो .32 बोर की पिस्टल और एक कारतूस बरामद हुआ है। प्रयागराज से रहने वाले आरोपित ने पूछताछ में बताया कि दोनों पिस्टल अपने साथी राजीव यादव के साथ जाकर से बुरहानपुर से ले आया था। अब एसटीएफ मध्य प्रदेश से गोरखपुर तक फैले असलहा नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। पकड़ा गया आरोपित रमेश दत्त त्रिपाठी उर्फ बोलबंम उर्फ अभिषेक पंडित उर्फ छोटू पुत्र अनिल दत्त प्रयागराज के नैनी थाना क्षेत्र के यमुनानगर स्थित विनायक नगर में नमक फैक्ट्री के पीछे का रहने वाला है। सोमवार की रात को एसटीएफ ने उसे पैडलेगंज के पास उस समय पकड़ा, जब वह सिक्टौर के पास रहने वाले डॉक्टर नाम के व्यक्ति का इंतजार कर रहा था। पूछताछ में रमेश ने बताया कि उसने दोनों पिस्टल 12–12 हजार रुपये में खरीदी थीं। गोरखपुर में इन्हें 15 से 20 हजार रुपये मुनाफे पर बेचने आया था। एसटीएफ ने आरोपित का मोबाइल फोन कब्जे में लिया है। मोबाइल में मिले नंबरों और बातचीत के आधार पर यह पता लगाया जा रहा है कि राजीव यादव से उसका संपर्क कैसे हुआ, बुरहानपुर से पिस्टल लाने का सिलसिला कब से चल रहा था और गोरखपुर में अब तक कितने लोगों तक असलहा पहुंचाया गया। मध्य प्रदेश से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। सीओ कैंट अरुण कुमार एस ने बताया कि आरोपित पर आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पूछताछ में सामने आई कड़ियों के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

एयर कंप्रेसर टैंक फटने से दो लोग घायल, एक का हाथ कटकर हुआ अलग

संवाददाता–गोरखपुर। धुलाई सेंटर पर मंगलवार की सुबह एयर कंप्रेसर की टंकी फटने से बड़ा हादसा हो गया। टंकी का धमाका इतना तेज था कि उसके पास संचालक खड़े आनंद सिंह का दाहिना हाथ कोहनी के पास से कटकर दूर खेत में जा गिरा। वहीं पास में मौजूद विशाल सिंह भी टंकी के मलबे की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। आनंद की हालत नाजुक बताई जा रही है। चिलुआताल के बलुआ गांव निवासी आनंद सिंह गांव के बाहर धुलाई सेंटर चलाते हैं। मंगलवार की सुबह करीब 8रू45 बजे वह एयर कंप्रेसर की टंकी में हवा भर रहे थे। कुछ देर बाद हवा का दबाव जांचने के लिए जैसे ही वह टंकी के पास पहुंचे, अचानक तेज धमाके के साथ टंकी फट गई।

धमाके की चपेट में आने से आनंद का दाहिना हाथ कोहनी के पास से कट गया और 20 मीटर दूर खेत में जा गिरा। वहीं, पास में मौजूद विशाल सिंह टंकी के मलबे की चपेट में आ गए। उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। धमाका होते ही मौके पर चीख–पुकार मच गई।

आसपास के लोगों ने दोनों घायलों को तत्काल बीआरडी मेडिकल कॉलेज के नेहरु अस्पताल पहुंचाया। सीओ कैंपियरगंज अनुराग सिंह ने बताया कि कंप्रेसर फटने से हादसा हुआ है। चिलुआताल थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मतदाता सूची से नाम हटाने पर कांग्रेस का प्रदर्शन

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। मतदाता सूची से नाम विलोपन और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के विरोध में मंगलवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ता अम्बेडकर प्रतिमा के पास एकत्र हुए। कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग की प्रक्रिया के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एसआईआर पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने आरोप लगाया कि देशभर में करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से किसी व्यक्ति का नाम हटना केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि उसके लोकतांत्रिक अधिकार को प्रभावित करने वाला विषय है। कांग्रेस ने इसे 'वोट चोरी' करार देते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा रहे हैं। इससे वास्तविक मतदाताओं के मतदान के अधिकार पर संकट पैदा हो सकता है। पार्टी ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और नाम विलोपन से पहले पर्याप्त सत्यापन सुनिश्चित करने की मांग की।

सपा प्रत्याशी संजयन त्रिपाठी ने दोबारा भरा पर्चा

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के डस्ब चुनाव में सपा के प्रत्याशी संजयन त्रिपाठी ने मंगलवार को दोबारा नामांकन दाखिल किया। उन्होंने 1 अक्टूबर को निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर पर्चा भरा था। बाद में सपा में शामिल होने के बाद उन्हें पार्टी का मिला। नामांकन के दौरान उनके शिक्षक समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही संजयन त्रिपाठी के आवास पर सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ थी। शाम को वह निर्वाचन क्षेत्र के सभी 17 जिलों के सपा जिलाध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे। इसमें चुनावी रणनीति और बूथ स्तर की तैयारियों पर चर्चा होगी। संजयन त्रिपाठी कई वर्षों से भाजपा के टिकट पर इस शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की दावेदारी कर रहे थे। इस बार भी उन्होंने टिकट के लिए जोर लगाया, लेकिन पार्टी ने लगातार तीन बार से एमएलसी चुने जा रहे ध्रुव कुमार त्रिपाठी को प्रत्याशी बना दिया। टिकट नहीं मिलने पर संजयन ने अपनी गाड़ी से भाजपा का झंडा उतार दिया था। इस दौरान वह भावुक हो गए थे। झंडा उतारने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना।

निर्दल नामांकन के दो दिन बाद समाजवादी पार्टी ने संजयन त्रिपाठी को अपने साथ जोड़ लिया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें लखनऊ बुलाकर पार्टी की सदस्यता दिलाई और गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया। सपा ने इस सीट पर पहले ही कमलेश यादव को उम्मीदवार बनाया था। संजयन के पार्टी में शामिल होने के बाद कमलेश का टिकट काट दिया गया। संजयन के सपा में शामिल होने के दौरान कमलेश यादव भी उनके साथ नजर आए।

सोमवार, 5 अक्टूबर को भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने दो सेट में नामांकन दाखिल किया। इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक और भाजपा समर्थक मौजूद रहे। ध्रुव लगातार तीन बार से इस सीट से एमएलसी हैं। 2020 के चुनाव में दूसरे स्थान पर रहे अजय सिंह ने भी सोमवार को पर्चा दाखिल किया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के डॉ. राकेश सिंह समेत कुल 13 प्रत्याशियों ने नामांकन किया।

नामांकन से पहले प्रत्याशियों ने अलग–अलग स्थानों पर सभाएं कीं। इनमें शिक्षक हित में अपने काम और भविष्य की योजनाएं गिनाईं। इसके बाद समर्थकों के साथ नामांकन स्थल पहुंचकर पर्चा दाखिल किया। मंगलवार को नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद मैदान में मौजूद प्रत्याशियों की तस्वीर साफ हो जाएगी। इसके साथ ही चुनाव प्रचार और शिक्षक मतदाताओं से संपर्क का सिलसिला तेज होने की संभावना है।

मासूम की गला दबाकर हत्या पड़ोसी पर हत्या का आरोप

संवाददाता–संतकबीरनगर। दुधारा थाना क्षेत्र के डिघवा गांव में मंगलवार को एक नवजात की गला दबाकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। परिजनों ने पड़ोसी पर वारदात को अंजाम देने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि आरोपी ने दो दिन पहले ही बच्चे को जान से मारने की धमकी दी थी। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई।

मृतक की पहचान शिवराज के रूप में हुई है। वह शिवकुमार का बेटा था। परिजनों के मुताबिक, सोमवार रात बच्चा घर से गायब हो गया। परिवार ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। मंगलवार को खोजबीन के दौरान मासूम का शव बरामद हुआ। परिजनों ने आरोप लगाया कि पड़ोसी ने ही बच्चे का गला दबाकर हत्या की है।

परिवार का कहना है कि आरोपी पड़ोसी ने दो दिन पहले बच्चे को जान से मारने की धमकी दी थी। इसी आधार पर परिजनों ने उस पर हत्या का शक जताया है। हालांकि, पुलिस जांच के बाद ही घटना की वास्तविक वजह और आरोपी की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।

मासूम की मौत की सूचना मिलते ही दुधारा थाना पुलिस और उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी अमित कुमार कुशवाह ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस परिजनों के आरोप, घटनास्थल और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

अखिलेश यादव की हिरासत के विरोध में सपाइयों का प्रदर्शन, सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी

संवाददाता–संतकबीरनगर। मंगलवार दोपहर 2 बजे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को दिल्ली में हिरासत में लिए जाने के विरोध में सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। निवर्तमान जिलाध्यक्ष अब्दुल कलाम के नेतृत्व में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ता अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए।

धरने को संबोधित करते हुए अब्दुल कलाम ने कहा कि जब तक राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को रिहा नहीं किया जाता और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते, तब तक सपा का धरना जारी रहेगा। उन्होंने भाजपा सरकार पर चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप लगाए। कहा कि देश के कई राज्यों में वोट चोरी के जरिए सत्ता हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

अब्दुल कलाम ने कहा, ष्आज उत्तर प्रदेश में भी वोटर लिस्ट और चुनावी नतीजों में धांधली करके सरकार बनाने का काम किया जा रहा है। इसके खिलाफ समाजवादी पार्टी अब आर–पार की लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी संघर्ष की कोख से पैदा हुई है और उसके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई लड़ना जानते हैं।

अब्दुल कलाम ने दोहराया कि जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगें उठाईं। इसी क्रम में मेहदावल में सपा के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी जयराम पांडेय ने भी धरना–प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान राम दरश यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष लोरिक यादव, वरिष्ठ नेता नित्यानंद यादव, पूर्व विधायक अलगू प्रसाद चौहान, केडी यादव, पूर्व प्रमुख रामाशीष यादव, सुबोध यादव, रमेश यादव, राहुल यादव 'बादल', आलोक यादव, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मोहम्मद अहमद, जावेद खान समेत बड़ी संख्या में सपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीडीयू में अब 15 तक भर सकेंगे विषम सेमेस्टर के परीक्षा फार्म

संवाददाता–गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में स्नातक के विषम सेमेस्टर के परीक्षा फार्म भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी सूचना के मुताबिक, शैक्षणिक सत्र 2026–27 में नियमित एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को परीक्षा फार्म भरने के लिए 15 अक्तूबर तक का समय दिया गया है। स्नातक के विषम सेमेस्टर में प्रथम और तृतीय सेमेस्टर को छोड़कर अन्य संबंधित सेमेस्टर के विद्यार्थियों के पंजीकरण और परीक्षा शुल्क जमा करने के लिए पोर्टल की समय सीमा बढ़ाई गई है। पहले इसकी अंतिम तिथि पांच अक्तूबर निर्धारित थी। अब विद्यार्थी 15 अक्तूबर तक विलंब शुल्क के साथ पंजीकरण और परीक्षा शुल्क जमा कर सकेंगे। वहीं, परीक्षा फार्म भरने के लिए पोर्टल सात अक्तूबर से 15 अक्तूबर तक खुला रहेगा।

डॉ. वाई सिंह सचिव, डॉ. डीके सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष बने

संवाददाता–गोरखपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) उत्तर प्रदेश के सत्र 2026–27 के लिए जिले के दो वरिष्ठ चिकित्सकों को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। आईएमए के वर्तमान सचिव डॉ. वाई. सिंह को हॉस्पिटल बोर्ड ऑफ इंडिया (एचबीआई) का सचिव तथा पूर्व अध्यक्ष डॉ. डीके सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित किया गया है।प्रदेश उपाध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद डॉ. डीके सिंह ने कहा कि भविष्य में भी चिकित्सकों से जुड़े मुद्दों पर अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य करते रहेंगे। चिकित्सकों की समस्याओं को संगठन के उचित मंच तक पहुंचाने तथा उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किया जाएगा।

वहीं डॉ. वाई सिंह ने कहा कि आईएमए के सामाजिक कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा। चौरिटेबल ब्लड बैंक सहित अन्य सामाजिक एवं जनसेवा से जुड़े कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0– 541 / 86
रामलखन
बनाम
लोदर आदि

1/2/1 शिवचरन पुत्र लोटई साकिन मौजा बैरमपुर तप्पा चुरेव परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर 1/2/2 रामतौल पुत्र शिवचरन 1/2/3 किरन पुत्री शिवचरन साकिन मौजा बैरमपुर तप्पा चुरेव परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 13–10–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 13 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–955 / 2020
राजदेव
बनाम
श्रीमती कृष्णमती देवी

1. श्रीमती कृष्णमती देवी पत्नी स्व0 रामशब्द शुक्ल निवासी ग्राम महादेवरी डाकघर भदावल तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 30–11–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–314 / 2026
रामभवन आदि
बनाम
रामचरितर आदि

1. रामचरितर आयु लगभग 55 साल पुत्र बुधिराम 2. बुधिराम उम्र लगभग 75 वर्ष पुत्र गया 3. खुशीराम उम्र लगभग 25 साल 4. श्रवण कुमार उम्र लगभग 36 साल 5. शिवकुमार उम्र लगभग 32 साल पुत्रगण रामतीरथ 6. सीता देवी उम्र लगभग 62 साल विधवा रामतीरथ 7. रामलोचन उम्र लगभग 60 साल 8. राममूरत उम्र लगभग 62 साल 9. रामसूरत उम्र लगभग 65 साल पुत्रगण रामजग निवासीगण रामगढ़ खास तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 13–11–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 13 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com